IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, April 2024

शहडोल जिले के बैगा आदिवासी समाज में सामाजिक परिवर्तन का एक अध्ययन

उग्रभान दाहिया[1] व डॉ. सुरेशचन्द्र राय[2]

शोध छात्र समाजशास्त्र, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]

प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला सतना (म.प्र.)[2]

शोध सारांश

हमारी पवित्र पावन भूमि में विभिन्न संस्कृतियों के लोग निवास करते हैं। भारत के पर्वतीय एवं वन्यक्षेत्र में अनेकों ऐसे मानव समूह निवास करते हैं, जो कि मानव सभ्यता की विकास की दृष्टि से प्रारंभिक सोपानों से आगे नहीं बढ़ पाये हैं एवं जो हजारों वर्षों से शेष विश्व की सभ्यता से दूर अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की पहचान बनाये हुये हैं। इन्हें आदिवासी, कबीली, आदिमवासी, जनजाति, वन्यजाति आदि विभिन्न उपनामों से संबोधित किया जाता है।

मुख्य शब्द बैगा, आदिवासी, समाज, सामाजिक, परिवर्तन, संस्कृतियों, आदि।